: सीमांचल में बाढ़ : सीएम नीतीश ने की पीएम मोदी से बात

पटना,(आरएनएस)। पिछले चौबीस घंटे से सीमांचल में लगातार हो रही बारिश से पूर्णिया, कटिहार, अररिया और किशनगंज में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गयी है। सीमांचल में उत्पन्न स्थिति पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार की सुबह आला अधिकारियों के साथ एक इमरजेंसी बैठक की। इसके बाद पूरी स्थिति के बारे में उन्होंने फोन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री राजनाथ सिंह से बात की। राहत एवं बचाव कार्य के लिए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से एनडीआरएफ की 10 अतिरिक्त टुकड़ी की मांग की है। इसके अतिरिक्त बचाव कार्य के लिए वायुसेना के एक हेलीकॉप्टर की भी मांग की गयी है। मुख्यमंत्री ने पूरी स्थिति की जानकारी केंद्रीय गृह सचिव को भी दी है। मुख्यमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने मुख्यमंत्री को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री ने सीमांचल में उत्पन्न बाढ़ के हालात पर मुख्य सचिव, आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव तथा क्षेत्रीय अधिकारियों से बात की है। आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव प्रत्यय अमृत को उन्होंने यह निर्देश दिया है कि स्थिति से निपटने के लिए सेना की सहायता ली जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि बिहार में एनडीआरएफ के प्रतिनियुक्त अतिरिक्त बलों को बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचाया जाए। बाढ़ में फंसे लोगों को वहां से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री के स्तर से पूरी स्थिति की मॉनीटरिंग खुद की जा रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में हो रही भारी बारिश तथा बिहार के सीमांचल जिले पूर्णिया, कटिहार, अररिया, किशनगंज में पिछले 24 घंटों से हो रही बारिश के कारण उत्पन्न बाढ़ की स्थिति की पल-पल की जानकारी ले रहे हैं। बाढ़ की भयावह स्थिति में पीड़ित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए दानापुर से सेना के जवान भी रवाना हो चुके हैं। बता दें कि सुपौल में अब कोसी आक्रामक तेवर दिखा रही है। गांवों के घरों में पांच से सात फीट तक पानी घुसा हुआ है। सहरसा जिले में भी तटबंध के अंदर बसे दो दर्जन से अधिक गांव जलमग्न हैं। मधेपुरा जिले के भी फुलौत, आलमनगर व कुमारखंड प्रखंडों के एक दर्जन गांव जलमग्न हैं। अररिया के सिकटी में बकरा व नूना नदियों में आई बाढ़ से दो दर्जन से अधिक गांव जलमग्न हो चुके हैं। किशनगंज के सभी सात प्रखंड बाढ़ की चपेट में हैं। 50 से अधिक गांवों में बाढ़ के पानी के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। पूर्णिया के बायसी और बैसा प्रखंड के एक दर्जन गांव जलमग्न हैं। बांका में भी चांदन व ओढ़नी नदियों में पानी बढ़ा है।

कल से नियमित होगी समलेश्वरी एक्सप्रेस

जगदलपुर,(आरएनएस)। ओड़िशा में नागावली नदी पर स्थित रेल पुल के टूटने के बाद जगदलपुर नहीं आ-जा रही हावड़ा - जगदलपुर समलेश्वरी एक्सप्रेस का आवागमन पुल की मरम्मत के बाद कल से बहाल हो जाएगा। समलेश्वरी एक्सप्रेस 12 अगस्त को हावड़ा से रवाना होकर आज जगदलपुर पहुंची। जगदलपुर आकर सोमवार से अपने निर्धारित समय सुबह 4:15 बजे यहां से कोलकाता के लिए रवाना होगी। रेलवे प्रशासन ने समलेश्वरी एक्सप्रेस का परिचालन जगदलपुर तक करने आदेश जारी कर दिया है। इस आशय की सूचना शनिवार को जगदलपुर स्टेशन को मिल गई है। ट्रेन का नियमित संचालन शुरू होने की सूचना के बाद कुछ लोग ट्रेन में बर्थ का रिजर्वेशन कराने स्टेशन पहुंचे थे। उल्लेखनीय है कि 16 जुलाई को रेल पुल टूटने की घटना के बाद 28 दिन से इसका परिचालन हावड़ा से टिटलागढ़ के बीच किया जा रहा था।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि श्रीमती चंपा देवी पावले करेंगी ध्वजारोहण

जशपुर,(आरएनएस)। जशपुर जिले में स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति की भावना और हर्षोल्लास से मनाया जायेगा। जिला मुख्यालय जशपुर के रणजीता स्टेडियम में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि संसदीय सचिव श्रीमती चंपा देवी पावले के द्वारा ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली जाएगी और मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह रणजीता स्टेडियम में सम्पन्न होगा। जहां मुख्य अतिथि के द्वारा प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली जाएगी।

तलवार के साथ 5 गिरफ्तार

बिलासपुर,(आरएनएस)। सिविल लाइन पुलिस ने गश्त और चेकिंग अभियान के दौरान नशे में डूबे पांच लोगों को हिरासत में लिया है। पांच युवक स्कार्पियों में सवार थे। पुलिस को पूछताछ के दौरान जानकारी मिली कि पांचो युवक गनियारी और आस पास के क्षेत्र से हैं। पुलिस को स्कार्पियों से एक तलवार और चाकू मिली है। अंदेशा जताया जा रहा है कि पांचो किसी घटना को अंजाम देने बिलासपुर आए थे। सिविल लाइन पुलिस ने तेजी से फरोंटा भर रहे स्कार्पियों को जब्त किया है। पुलिस ने पूछताछ के लिए गाड़ी रुकवाई। बातचीत के दौरान पुलिस जानकारी मिली कि पांचों नशे में मदहोश हैं। पुलिस ने शक होने पर स्कार्पियों की जांच पड़ताल की। एक तलवार चाकू और नशे के कुछ सामानों को जब्त किया है। पांचो ने नशा कुछ ज्यादा ही किया था। बातचीत के दौरान सभी की जुबान लड़खड़ा रही थी। पांचो युवकों ने बताया कि वे गनियारी से आए हैं। पुलिस को शक है कि पांचो युवक शराब पीने के बाद किसी बड़ी घटना को अंजाम देने गनियारी से बिलासपुर आए हैं।

रक्षाबंधन के सार्वजनिक प्रदर्शन का ही दुष्परिणाम है पालनार की घटना

0 भाई-बहन के बीच रिश्ते की सादगी एवं पवित्रता किसी प्रदर्शन का मोहताज नहीं होती

जगदलपुर,(आरएनएस)। 'एक सड़ी हुई मछली पूरे तालाब को गंदा कर देती है।' यह कहावत इन दिनों सीआरपीएफ के लिए बिलकुल फिट बैठ रही है, क्योंकि रक्षाबंधन के नाम पर दन्तेवाड़ा जिले के पालनार बालिका आश्रम में आयोजित 'रक्षा के डोर' नामक कार्यक्रम में वहां अध्ययनरत छात्राओं से राखी बंधवाने गए सीआरपीएफ के जवानों में से दो जवानों ने वहां की एक दर्जन से अधिक छात्राओं के साथ जिस तरह अश्लील हरकत की, वह निंदनीय एवं दण्डनीय अपराध है। दो सुरक्षा जवानों की हरकत ने पिछले डेढ़ दशक में पुलिस जवानों द्वारा जनसामान्य के बीच खाकी वर्दी के प्रति विश्वास बढ़ाने के लिए किये गये प्रयासों एवं ग्रामीणों में सुरक्षा जवानों के प्रति बढ़ती सहानुभूति एवं विश्वास को कोसों दूर धकेल दिया है। भाई-बहन के बीच सादगी भरे पवित्र रिश्ते का पर्व है रक्षाबंधन। इस रिश्ते को और अधिक मजबूत बनाने के लिए रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता है। इस त्योहार को मनाने के पीछे कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। जब कोई लड़की या महिला किसी युवक अथवा पुरूष को राखी बांधती है, तो आजीवन वह पुरूष उसका भाई बनकर महिला की रक्षा करने का वचन देता है। इतिहास के अनुसार रानी पद्मावती ने जब परेशानियों के समय मुगल बादशाह हुमायू को राखी बांधी थी, हुमायू ने उन्हें बहन मानकर दुश्मनों से आजीवन उसकी रक्षा की। इसी तरह पाकिस्तान की एक मुस्लिम महिला नरेन्द्र मोदी को बहुत पहले से राखी बांधती आ रही है और नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भी वह पाकिस्तान से राखी बांधने के लिए आती है। ऐसा होता है राखी के पवित्र धागे का बंधन, जो धर्म एवं अमीरी-गरीबी के भेद को नहीं देखता और आजीवन उसे निभाता है। लेकिन अब देखने को मिल रहा है कि रक्षाबंधन जैसे पवित्र पर्व को कुछ लोगों द्वारा फैशन बना लिया गया है, जिसकी कई विद्रुपियां भी सामने आने लगी है। गत 31 जुलाई को दन्तेवाड़ा जिले के पालनार बालिका आश्रम में "रक्षा की डोर" नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया था, जिसमें सीआरपीएफ जवानों को, वहां अध्ययनरत छात्रों द्वारा राखी बांधने का आयोजन था, लेकिन इस कार्यक्रम में जिन सीआरपीएफ के जवानों को बुलाया गया था, उसमें से दो जवानों द्वारा उक्त आश्रम की 16 छात्राओं के साथ अश्लील हरकत की गयी और जब इसका खुलासा हुआ तब लोगों ने जवानों को भला-बुरा कहा। भाई-बहन के बीच रिश्ते की सादगी एवं पवित्रता किसी प्रदर्शन का मोहताज नहीं है, लेकिन कई लोग अब इसमें भी प्रदर्शन करने लगे हैं। रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के बीच प्रेम के प्रतीक का पर्व है, इसलिए इसे एक पारिवारिक पर्व भी कह सकते हैं, तो इसे प्रदर्शन बनाने का औचित्य समझ से परे है। यहां पर यह भी सवाल उठता है कि रक्षाबंधन के कुछ दिन पहले से ही कुछ संगठनों की महिलाएं इस तहत सुरक्षा बलों के जवानों को राखी बांधने उनके कैम्पों तक जाती हैं, वहां जवानों को राखी बांधती हैं। कई संगठनों की महिलाएं जेल जाती है और वहां कैदियों को राखी बांधकर रक्षाबंधन मनाती हैं, लेकिन क्या वे अपने इन भाइयों के प्रति अपने इस प्रेम को अक्क्षुण बनाए रखती हैं, शायद नहीं, क्योंकि यहां पर वह दिखावा कर रही हैं। पिछले वर्ष जिन संगठनों की महिलाएं जिन सुरक्षा कैम्पों में जाकर सुरक्षा जवानों को राखी बांधी थीं अथवा जिन कैदियों को राखी बांधी थी, क्या इस पर्व के बाद अपने इन भाइयों को कभी याद करती हैं? अन्य पर्व के दौरान अपने इन भाइयों की पूछ-परख क्यों नहीं करतीं? पिछले वर्ष जिन सुरक्षा जवानों एवं कैदियों को राखी बांधी थी, क्या उन्हीं जवानों एवं कैदियों को इस वर्ष भी राखी बांधी? पिछले वर्ष वे जिन कैदी भाईयों को राखी बांधी थी क्या वे इस वर्ष अभी जेल में ही हैं, या सजा पूरी होने के बाद वे घर चले गए? इसकी जानकारी लेने की जहमत कभी उठाई है? अगर इन सवालों का जवाब नहीं है... तो ऐसे रिश्ते बनाए ही क्यों जाते हैं। यह भी सवाल उठता है जिन संगठनों की महिलाएं सुरक्षा जवानों एवं जेलों मे जाकर कैदी भाईयों को राखी बांधती है, उन संगठनों के पुरूष वर्ग के लोग महिला पुलिस एवं महिला कैदियों के पास जाकर राखी क्यों नहीं बंधवाते? राखी जैसे पवित्र त्योहार पर इस तरह की दिखावाबाजी के कारण ही पालनार की घटना घटित हुई। अगर हर भाई राखी की पावन पवित्रता को समझे और इसके 'सार' को शिरोधार्य करे तो समाज से अनके बुराईयों का अंत होने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

10 लाख के गांजा समेत दो तस्कर गिरफ्तार

जगदलपुर,(आरएनएस)। कोण्डागांव जिले के फरसगांव पुलिस ने सघन तलाशी के दौरान 265 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इस सिलसिले में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। बरामद गांजे का बाजार मूल्य दस लाख रूपए आंका गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी गांजा लेकर ओडिशा से मल्कानगिरी से जगदलपुर होते हुए रायपुर की ओर जा रहे थे। सफेद रंग के पिकअप वाहन एमपी 18 जीए 0152 में स्पेशल चेम्बर बनाकर गांजा रखा गया था। वाहन सवार परमेश नायक पिता शंकर नायक 27 वर्ष निवासी मल्कानगिरी और महेश नाग पिता विजय नाग 27 वर्ष निवासी सुकमा जिले के थाना पुसपाल के ग्राम खिंदवाड़ा के कब्जे से 40 पैकेटों में रखा गांजा बरामद किया गया। ज्ञात हो कि फरसगांव पुलिस द्वारा 20 मार्च को एक सफेद रंग की मारुती डिजायर कार में 1.30 किलो गांजे के साथ दो आरोपियों को पकड़ा था। वहीं 18 जुलाई को एक सफेद रंग की स्कार्पियों में एक आरोपी के साथ 110.134 किलो गांजा जब्त किया गया था और 23 जुलाई को एक सफेद रंग की पिकअप में 4.18 किलो गांजा के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।

ओडीएफ शौचालय बना मजाक, गुणवत्ता पर सवालिया निशान

जगदलपुर,(आरएनएस)। बस्तर जिले के बकावंड ब्लॉक में खुले में शौच मुक्त करने के लिए बनाए जा रहे शौचालय की गुणवत्ता के साथ मजाक किया जा रहा है, जिसके कारण मुख्य कार्यपालन अधिकारी और जनपद पंचायत का तकनीकी विभाग सवालों के कटघरे में खड़े हैं और गुणवत्ता से खिलवाड़ कर करोड़ों रुपए का घोटाला भी किया जा रहा है! बस्तर जिले के बकावंड ब्लाक जो कि सबसे जागरुक ब्लाकों की श्रेणी में आता है और उस जागरुक गांव में ही जनपद के उच्च अधिकारियों के संरक्षण में घोटाला किए जाने का जीता जागता उदाहरण शौचालय निर्माण में देखने को मिल रहा है! बकावंड ब्लाक के दर्जनों गांव में शौचालय की स्थिति देखने के बाद यह पता चल रहा है कि किस प्रकार शौचालयों की गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है! गांव गांव में बनाए जाने वाले शौचालयों की स्थिति काफी दयनीय है और वह 1 वर्ष भी टिक जाए तो मेहरबानी होगी अन्यथा इसे यूज़ करने के दौरान गिरने पर गंभीर हादसा होने की भी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सार्वजनिक जगहों पर ना खाऊंगा ना खाने दूंगा का नारा देते हैं और यह प्रचारित भी सत्तारूढ़ दल से जुड़े लोग करते नहीं थक रहे हैं किंतु जिस प्रकार जनपद पंचायत बकावंड में मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट खुले में शौच मुक्त अभियान के तहत बनाए जाने वाले शौचालयों की गुणवत्ता पर भ्रष्टाचार किस कदर हावी है वह किसी से छुपी नहीं है! तत्कालीन केंद्र सरकार को भ्रष्टाचार के लिए कटघरे में खड़ा करने वाली भारतीय जनता पार्टी अब ब्लॉक से लेकर पूरे देश में शासन कर रही है तथा जनपद पंचायत बकावंड में भारतीय जनता पार्टी समर्थित जनपद अध्यक्ष का कब्जा है उसके बावजूद शौचालय निर्माण के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार हो रही है दरअसल अध्यक्ष रबर स्टैंप के सिवा कुछ नहीं है क्योंकि उस क्षेत्र में मुख्य कार्यपालन अधिकारी की तूती बोलती है!

विवाह का प्रलोभन देकर नाबालिग से अनाचार, जुर्म दर्ज

जगदलपुर,(आरएनएस)। परपा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डोंगरीपारा निवासी 17 वर्षीया किशोरी के साथ आरोपी मुट्टू कश्यप ने शादी का प्रलोभन देकर उसके साथ दैहिक शोषण किया। पुलिस के अनुसार आरोपी का किशोरी के घर आना-जाना था। इसका फायदा उठाते उसने किशोरी को प्रेमजाल में फंसाया और आठ माह तक उसका शारीरिक शोषण किया। परिजनों को इसकी खबर होने के बाद युवक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाया गया। पुलिस आरोपी की पतासाजी में जुटी है।

राज्य में फिलहाल झमाझम बारिश के आसार नहीं

रायपुर,(आरएनएस)। राज्य में आगामी चौबीस घंटों के दौरान कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसके अलावा प्रदेश में फिलहाल अच्छी बारिश के कोई आसार नहीं हैं। मौसम विभाग के नियमित रिपोर्ट के अनुसार कल पूर्वी-पश्चिम बिहार और इसके आसपास बना चक्रवात कमजोर पड़ गया है। इस चक्रवात के असर से कल राजधानी रायपुर सहित आसपास के इलाकों में शाम 7 बजे के आसपास हल्की बारिश हुई थी। लेकिन चक्रवात के कमजोर पड़ने के साथ ही आसमान में छाए बादल छंट गए और रात 9 बजे तक बारिश पूरी तरह से थम गई। इधर यह सिस्टम अब कमजोर हो गया है, लिहाजा इस सिस्टम का असर भी अब प्रदेश के मौसम को प्रभावित नहीं करेगा। दूसरी ओर दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से लेकर उत्तरी तमिलनाडु, दक्षिणी आंध्रप्रदेश के ऊपरी हवा में एक नया चक्रवात बना है जो वर्तमान में 1.5 किमी की ऊंचाई से लेकर 3 किमी की ऊंचाई तक सक्रिय है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो यह सिस्टम भी प्रदेश से काफी दूर है, लिहाजा इस सिस्टम का भी कोई खास असर प्रदेश के मौसम को प्रभावित नहीं कर पाएगा। इस लिहाज से देखा जाए तो वर्तमान में प्रदेश के अनेक इलाकों में अच्छी बारिश के आसार नहीं हैं। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो प्रदेश में चौतरफा बारिश के लिए छत्तीसगढ़ के आसपास अथवा प्रदेश के ऊपरी हवा में शक्तिशाली सिस्टम बनना जरूरी है, लेकिन इस मानसूनी सीजन में अभी तक कोई भी सिस्टम मजबूती के साथ प्रदेश के आसपास अथवा ऊपरी हवा में सक्रिय नहीं हो पाया है। यही वजह है कि प्रदेश के उत्तरी इलाकों के साथ ही दक्षिणी इलाकों के आसपास बने सिस्टम से अब तक जोरदार और अच्छी बारिश हो चुकी है, लेकिन प्रदेश के मैदानी इलाकों में सूखे के हालात बने हुए हैं। इधर निकट भविष्य में झमाझम बारिश अथवा चौतरफा बारिश के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। अलबत्ता वातावरण में व्याप्त नमी और स्थानीय प्रभाव से प्रदेश में कहीं-कहीं पर हल्की बारिश अथवा गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने के आसार बने रहेंगे।